# Startup Village Entrepreneurship Programme

**Jharkhand State Livelihood Promotional Society [JSLPS]**

**State – Jharkhand, District – Simdega, Block – Thetitangar**

**Implemented by – EDI of India**

**MEDIA COVERAGE**

Date 10.09.2021

# ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम के तहत 75वां आजादी का अमृत महोत्सव मनाया

## 24 स्वयं सहायता समूह के महिलाओं के बीच लघु ऋण का किया गया वितरण

**नवीन मेल संवाददाता**

**सिमडेगा।** ठेठईटांगर प्रखंड सभागार में प्रारंभिक ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम के तहत 75वां आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त अरुण वाल्टर संगा, जेएसएलपीएस डीपीएम मनीषा साँचा, अंचल अधिकारी समीर कच्छप, ठेठईटांगर मुखिया बंधु मांझी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गीत के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय अतिथि गण द्वारा 24 स्वयं सहायता समूह के महिलाओं को लघु ऋण का वितरण किया गया। जिसका कुल राशि 9 लाख 30 हजार रुपए था। मौके पर उप विकास आयुक्त अरुण वाल्टर सांगा ने कहा कि यह जान कर अच्छा लगा कि आपलोग जो भी अपने व्यापार को शुरू करने के लिए सहयोग राशि लेते हैं उससे आप वापस कर चुकें हैं साथ में उससे लाभ भी कमा रहें हैं। उन्होंने कहा कि आपलोग छोटे छोटे दुकान खोलने के लिए राशि लेकर आगे बढ़ रहें हैं वह बहुत ही शानदार कार्य है। इसके साथ साथ उन्होंने यह भी कहा कि आपलोग अनेकों दुकान खोल कर अपना आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं लेकिन गुणवत्ता को जरूर ध्यान देना है। अभी यह स्टार्टप है आपलोग को अभी और भी आगे बढ़ना

है। उन्होंने कहा कि हमलोगों के तरफ से जो हो पायेगा पूरा सहयोग रहेगा। इस कार्यक्रम में डीपीएम मनीषा साँचा ने कहा कि जेएसएलपीएस में जब से महिला समूह के माध्यम से दीदी लोग जुड़ी है महिलाओं में लीडरशिप का गुण आना शुरू हो चुकी है। दीदीयों का आर्थिक स्थिति भी पहले की तुलना में मजबूत हुई है उन्होंने यह भी कहा कि दीदियों का जीवन स्तर सुधारने का कार्य भी हमलोग कर रहें हैं साथ ही स्वयं सहायता समूह का क्रेडिट लिंकेज भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि सभी दीदी समूह में जुड़ कर आगे बढ़ रही है यह देख कर काफी अच्छा लगता है और लगातार हम सभी कोई मिलकर दीदीयों को आगे बढ़ाने में मदद करना है। अंचल अधिकारी समीर कच्छप ने भी विचार व्यक्त करते हुवे कहा कि हमारे तरफ से भी जितना हो पायेगा मदद करने का पूरा कोशिश रहेगा।स्वागत भाषण मेरी रेशमा सोरेंग द्वारा किया गया साथ में उन्होंने जानकारी देते हुवे कहा कि यह कार्यक्रम जेएसएलपीएस एवं सहयोगी भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान की सहायता से यह कार्यक्रम 2018 से ठेठईटांगर प्रखण्ड में चल रहा है साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम के तहत 1717 लघु उद्यम चार सालों में खड़ा करने का लक्ष्य है जिसमें की अब तक इफ्फ ठेठईटांगर ने 1089 उद्यम खड़ा कर चुका है। जिसमें 1089 उद्यमि का व्यापार उन्मुखीकरण प्रशिक्षण भारतीय उद्यमिता विकास संस्था द्वारा सहयोग दिया है। इस कार्यक्रम में जेएसएलपीएस बीपीएम नीलेश नितिन खलखो, ईडीआईआई मेंटर राजेश मुर्मू, इफ्फ बीपीओ संतोष कुमार वर्मा, बीपीओ आनंद इंदवार, प्रताप सिंह, मरियम बिलुंग, अमूल्या लकड़ा, पूनम सुरीन, तसिला देवी, मेरी रेशमा सोरेंग, सुजाता डुंगडुंग, सीआरपीईपी स्टेला कूलू, संजय डुंगडुंग, भरत सिंह, चंदवेश्वर मेहर, अजय बा, चन्द्रिका कुमारी, पिंकी कुमारी, कलावती कुमारी, ईश्वर सिंह, दिनेश्वर साहू, विदयानी बारला, अनिता लकड़ा, अल्कामा राहिल।

राष्ट्रीय नवीन मेल Fri, 10 September 2021
rashtriyanaveenmail.epapr.in/c/63023322

दैनिक भास्कर सिमडेगा भास्कर 10-09-2021

# ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम के तहत मनाया गया 75वां आजादी का अमृत महोत्सव

भास्कर न्यूज | सिमडेगा

ठेठईटांगर प्रखंड सभागार में प्रारंभिक ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम के तहत 75वां आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त अरुण वाल्टर संगा, जेएसएलपीएस डीपीएम मनीषा सांचा, अंचल अधिकारी समीर कच्छप, ठेठईटांगर मुखिया बंधु मांझी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत के साथ किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा 24 स्वयं सहायता समूह के महिलाओं को लघु ऋण का वितरण किया गया। जिसका कुल राशि 9 लाख 30 हजार रुपए था। उप विकास आयुक्त अरुण वाल्टर सांगा ने कहा कि यह जान कर अच्छा लगा कि आपलोग जो भी अपने व्यापार को शुरू करने के लिए सहयोग राशि लेते हैं उससे आप वापस कर चुके हैं। उससे

लाभुकों को योजना का लाभ देते अतिथि।

लाभ भी कमा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग छोटे छोटे दुकान खोलने के लिए राशि लेकर आगे बढ़ रहें हैं वह बहुत ही शानदार कार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि आपलोग अनेकों दुकान खोल कर अपना आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं लेकिन गुणवत्ता को जरूर ध्यान देना है। अभी यह स्टार्टप है आपलोग को अभी और भी आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि हमलोगों के तरफ से जो हो पाएगा पूरा सहयोग रहेगा। कार्यक्रम में डीपीएम मनीषा सांचा ने कहा कि जेएसएलपीएस में जब से महिला समूह के माध्यम से दीदी लोग जुड़ी है महिलाओं में लीडरशिप का गुण आना शुरू हो चुकी है। दीदीयों का आर्थिक स्थिति भी पहले की तुलना में मजबूत हुई है उन्होंने यह भी कहा कि दीदियों का जीवन स्तर सुधारने

## जेएसएलपीएस की ओर से किया गया आयोजन

स्वागत भाषण मेरी रेशमा सोरेंग द्वारा किया गया। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि जेएसएलपीएस एवं सहयोगी भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान की सहायता से यह कार्यक्रम 2018 से ठेठईटांगर प्रखण्ड में चल रहा है। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम के तहत 1717 लघु उद्यम चार सालों में खड़ा करने का लक्ष्य है। जिसमें की अब तक बीआरसी ठेठईटांगर ने 1089 उद्यम खड़ा कर चुका है। जिसमें 1089 उद्यमी का व्यापार उन्मुखीकरण प्रशिक्षण भारतीय उद्यमिता विकास संस्था द्वारा सहयोग दिया है। इस कार्यक्रम में जेएसएलपीएस बीपीएम नीलेश नितिन खलखो, ईडीआईआई मेंटर राजेश मुर्मू,बीआरसी बीपीओ संतोष कुमार वर्मा, बीपीओ आनंद इंदवार, प्रताप सिंह, मरियम बिलुंग, अमूल्या लकड़ा, पूनम सुरीन, तसिला देवी, मेरी रेशमा सोरेंग, सुजाता डुंगडुंग, सीआरपीईपी स्टेला कूलू, संजय डुंगडुंग, भरत सिंह, चंदवेश्वर मेहर, अजय बा, चन्द्रिका कुमारी, पिंकी कुमारी, कलावती कुमारी, ईश्वर सिंह, दिनेश्वर साहू, विदयानी बारला, अनिता लकड़ा, अल्कामा राहिल मौजूद थे।

का कार्य भी हमलोग कर रहें हैं साथ ही स्वयं सहायता समूह का क्रेडिट लिंकेज भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि सभी दीदी समूह में जुड़ कर आगे बढ़ रही है यह देख कर काफी अच्छा लगता है और लगातार हम सभी कोई मिलकर दीदीयों को आगे बढ़ाने में मदद करना है। अंचल अधिकारी समीर कच्छप ने भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे तरफ से भी जितना हो पाएगा मदद करने का पूरा कोशिश रहेगा।

# मेहनत करने से लोगों का हो रहा है विकास, बन रहें हैं आत्मनिर्भर

**प्रभात मंत्र संवाददाता**

**ठेठईटांगर :** जेएसएलपीएस एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के माध्यम से प्रारंभिक उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत सुनीता देवी ग्राम खिजुर डांड जोराम, प्रखंड ठेठईटांगर के निवासी हैं। इन्होंने वर्ष 2018 में लघु ऋण लेकर तेल मिल व्यवसाय का शुभारंभ किया था।इसके अंतर्गत उन्होंने इस इस कार्यक्रम के तहत व्यापार उन्मुखीकरण प्रशिक्षण का भी लाभ लिया एवं अपने तेल मिल व्यवसाय को एक नया रूप देकर ठेठईटांगर में एक मिसाल के रूप में उजागर हुए हैं। इनके तेल मिल में कई तरह के तेल का उत्पादन होता है। यह उत्पादन जंगली उत्पाद जैसे महुआ, डोरी इत्यादि से होता है जो कि खाने के लिए एवं अन्य गुणकारी लाभदायक के लिए जाना जाता है। इनका महीने का व्यापार 50 से 60 हजार के बीच आता है। इस व्यापार में तेल से आमदनी के साथ-साथ निकाले हुए तेल के खली से भी लाभ कमा रहे हैं। लघु ऋण लेने के पश्चात 1 साल में ही उन्होंने अपना तेल मिल के साथ-साथ किराना दुकान अपने घर के आंगन में ही शुरू किया है। उन्होंने अपना पहचान एसवीईपी कार्यक्रम के तहत एक सफल उद्यमी के रूप में दिया है। इसके साथ साथ महिला समूह में भी वे एक अहम भूमिका निभा रहे हैं।

# नारी सशक्तिकरण का मिशाल बन उभर रही हैं ठेठईटांगर की सुनीता देवी

## लघु ऋण से तेल मील लगा हर माह कमा रही है पचास हजार

उत्कल मेल संवाददाता

**सिमडेगा :** जेएसएलपीएस एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के माध्यम से प्रारंभिक उद्यमिता कार्यक्रम के तहत ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत जोराम खिजुरटांड निवासी सुनीता देवी ने वर्ष 2018 में लघु ऋण लेकर तेल मिल व्यवसाय का शुभारंभ किया था। इसके अंतर्गत उन्होंने इस इस कार्यक्रम के तहत व्यापार उन्मुखीकरण प्रशिक्षण का भी लाभ लिया एवं अपने तेल मिल व्यवसाय को एक नया रूप देकर ठेठईटांगर में एक मिसाल के रूप में उजागर हो रही हैं। इनके तेल मिल में कई तरह के तेल का उत्पादन होता है। यह उत्पादन जंगली उत्पाद जैसे महुआ, डोरी इत्यादि से होता है जो कि खाने के लिए एवं अन्य गुणकारी लाभदायक के लिए जाना जाता है। इनका महीने का व्यापार 50 से 60 हजार के बीच होता है। इस व्यापार में तेल से आमदनी के साथ-साथ निकाले हुए तेल के खली से भी लाभ कमा रहे हैं। लघु ऋण लेने के पश्चात 1 साल में ही उन्होंने अपना तेल मिल के साथ-साथ किराना दुकान अपने घर के आंगन में ही शुरू किया है। उन्होंने अपनी पहचान एसवीईपी कार्यक्रम के तहत एक सफल उद्यमी के रूप में दिया है। इसके साथ साथ महिला समूह में भी वे एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। जिसमें अपने समूह में वह एक सक्रिय महिला भी हैं। जिन्होंने अपने समूह में भी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पहल किया है। अपने क्षेत्र में वह एक मिसाल के रूप में अपना नाम कमा रहे हैं। साथ ही इस कार्यक्रम के तहत लघु ऋण लेकर ब्याज एवं मूलधन वापसी कर अपनी एक अलग ही पहचान बनाए हैं। इस इस कार्यक्रम का महत्व सुनीता देवी जैसे सक्रिय महिला एवं ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता से जुड़ना है ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त बन पाए। सुनीता देवी ने तेल मिल के साथ-साथ किराना दुकान कर अपने आर्थिक रूप को सुधारा है। गैर कृषि के क्षेत्र में उन्होंने दो उद्यम चलाकर अपने आर्थिक रूप को सुधारा है। समूह एवं एसवीईपी कार्यक्रम से जुड़ने के पहले उनका आर्थिक जीवन केवल कृषि पर आधारित था। जिससे वे 10 से 12000 का लाभ ले पाते थे। इतने में उन का भरण पोषण हो पाना मुश्किल था। इस कार्यक्रम के तहत लघु ऋण लेकर तेल मिल व्यवसाय को स्थापित कर अपने मासिक आय को 10,000 से 50000 तक पहुंचाना अपने आप में एक बड़ी सफलता है। सुनीता का कहना है कि गैर कृषि के महत्व उनके आर्थिक रूप को बदलाव करने में असरदार रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा आने वाले साल में सभी ग्रामीण दीदियों को कृषि से गैर कृषि के क्षेत्रों में ज्यादा ध्यान देना चाहिए। प्रखंड संसाधन केंद्र ठेठईटांगर कमेटी हर महीने उद्यम विकास के लिए व्यापार उन्मुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन प्रखंड संसाधन केंद्र में करती हैं। प्रखंड संसाधन केंद्र का मुख्य काम लघु ऋण को बांटना है एवं लोगों की आर्थिक स्थिति को ठीक करना है।

*नारी सशक्तिकरण की मिसाल है Sunita Devi*

https://www.news11.live/sunita-devi-is-an-example-of-women-empowerment/news11-special/news/10226.html